Raj Express (Indore), 28th June 2026, Page – 04

14वां दीक्षांत समारोह: विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 807 विद्यार्थियों को दीं उपाधियां

आईआईटी इंदौर ने दिखाई उद्योगोन्मुख शिक्षा की झलक

महिला शोधार्थी को पहला अशोक बंसल स्मृति स्वर्ण पदक

आईआईटी इंदौर का 14 वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 807 विद्यार्थियों को उपाधियां दी गईं। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

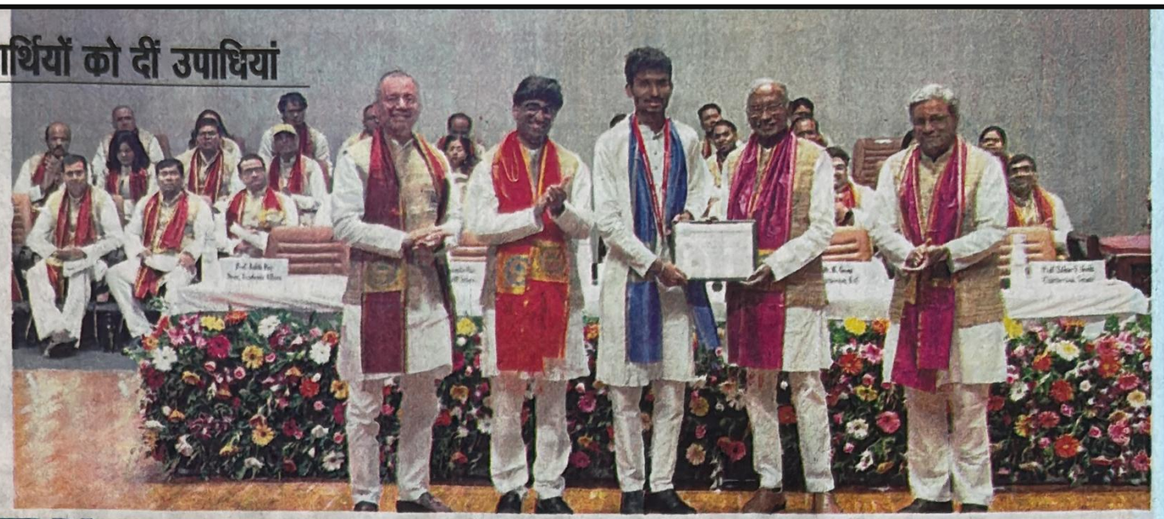

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

समारोह की अध्यक्षता आईआईटी इंदौर के शासी मंडल (बीओजी) के अध्यक्ष डॉ. के शिवन ने और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस जोशी ने समारोह की मेजबानी की। इस वर्ष उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में 111 पीएचडी शोधार्थी, 356 बीटेक विद्यार्थी, 146 एमटेक विद्यार्थी (जिनमें हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी के 19 विद्यार्थी शामिल हैं), 23 एमएस (रिसर्च), 102 एमएससी व एमएसडीएसएम कार्यक्रम के 69 विद्यार्थी सम्मिलित रहे।

ऐतिहासिक रहा समारोह

इस बार का दीक्षांत समारोह कई दृष्टियों से ऐतिहासिक रहा। वोल्वो आइशर कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड के सहयोग से संचालित एमटेक (हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी) की प्रथम दो बैचों और सेंटर ऑफ फ्यूचरिस्टिक डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी के एमटेक कार्यक्रम के प्रथम बैच ने अपनी शिक्षा पूरी की। यह उपलब्धि उद्योगोन्मुख एवं रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रति आईआईटी इंदौर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

पहली बार दिया स्वर्ण पदक

समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विभिन्न श्रेणियों में सात प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक, आठ संस्थान रजत पदक व स्नातक स्तर पर शोध व नवाचार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना पुरस्कार दिए गए। विशेष आकर्षण रहा अशोक बंसल स्मृति स्वर्ण पदक का पहली बार प्रदान किया जाना। यह पदक प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में आईआईटी इंदौर के सभी विभागों में किसी महिला शोधार्थी की ओर से प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ पीएचडी शोध प्रबंध के सम्मान में स्थापित किया गया है।

स्वर्ण पदक विजेता

राष्ट्रपति स्वर्ण पदक मदन पी बीटेक (कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग), बूटी फाउंडेशन स्वर्ण पदक ग्लैडिस जे एमएससी (रसायन विज्ञान), वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक हरप्रिया मिन्हास पीएचडी (रसायन विज्ञान), संस्थान सर्वांगीण स्वर्ण पदक एवं अगम प्रसाद स्मृति स्वर्ण पदक अर्पित कुमार सिंह पीएचडी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), गण्टि सुब्बा राव एवं गण्टि वेंकट रमाणी पुरस्कार सौरभ मिश्रा पीएचडी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), अशोक बंसल स्मृति स्वर्ण पदक नबास्मिता फुकन पीएचडी (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) को प्रदान किया गया।

रजत पदक व पुरस्कार विजेता: संस्थान रजत पदक एडुला चार्मी रेड्डी बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग), संस्थान रजत पदक अविरल शर्मा बीटेक (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग), संस्थान रजत पदक कुमार अनमोल बीटेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग), संस्थान रजत पदक ऋषिकेश जवाले बीटेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना पुरस्कार (स्वर्ण) एवं संस्थान रजत पदक ध्रुव जैन बीटेक (मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एवं मैटेरियल्स साइंस), संस्थान रजत पदक (एमटेक) शिक्षा सिंह एमटेक (सिविल इंजीनियरिंग), संस्थान रजत पदक (एमएससी) स्मिता कराती एमएससी (मेहता फैमिली स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड बायोमेडिकल इंजीनियरिंग), एमएसडीएसएम रजत पदक ऋत्विक गुप्ता एमएस इन डेटा साइंस एंड मैनेजमेंट को प्रदान किया गया।

दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव नहीं: आईआईटी इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. के सिवन ने कहा दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे प्रत्येक उपाधि प्राप्तकर्ता की परिवर्तनकारी यात्रा का उत्सव है। आईआईटी इंदौर शोध एवं नवाचार के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा है और ऐसे उपाधि प्राप्तकर्ताओं का निर्माण कर रहा है जो वर्तमान समय की सबसे जटिल चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हैं।

भारतीय आबादी के लिए पहला ईसीजी डेटाबेस किया तैयार

अशोक बंसल स्मृति स्वर्ण पदक नबास्मिता फुकन पीएचडी (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) ने इतिहास रचा। उन्होंने अपनी रिसर्च से देश को बड़ी सौगात दी है। नबस्मीता ने भारतीय आबादी के लिए पहला ईसीजी डेटाबेस तैयार किया है, जो अब तक देश में मौजूद नहीं था। अपनी उपलब्धियों के लिए उन्हें संस्थान के 14वें दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया। उन्होंने बताया मैंने अब तक दो पेटेंट फाइल किए हैं, जिनमें से एक ग्रांट हो चुका है।

अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं की शुरुआत

इंदौर। आईआईटी इंदौर में शनिवार को एनआरएफ-पेयर सक्षम (स्ट्रेंथनिंग एंड एक्सेलरेटिंग नॉलेज, हेल्थकेयर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग एंड इनोवेशन मिशन) परियोजना के अंतर्गत स्थापित अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं का उद्घाटन प्रज्ञान इनोवेशन ट्रांजिट प्रयोगशाला में किया गया। उद्घाटन नीति आयोग, भारत सरकार के सदस्य एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर व आईआईटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष व अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार के पूर्व सचिव डॉ. के. शिवन ने संयुक्त रुप से किया।

इंटरव्यू पदक प्राप्त करने वालों के मेहनत और प्रतिभा से नई मिसाल कायम की: राष्ट्रपति स्वर्ण पदक मदन पी बीटेक (कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) को मिला। उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से एक नई मिसाल कायम की है। मदन के लिए यह अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मदन ने अपने बीटेक प्रोजेक्ट के तहत सेमीकंडक्टर पर रिसर्च की है।

इजराइल जाने का मौका: गण्टि सुब्बा राव एवं गण्टि वेंकट रमाणी पुरस्कार सौरभ मिश्रा पीएचडी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) को मिला। सौरभ ने केमिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट से पीएचडी की है और उनका शोध हाइड्रोजन सेंसिंग और हाइड्रोजन स्टोरेज मटेरियल पर आधारित है। उन्होंने बताया कि इंस्टीट्यूट की नीतियों और डायरेक्टर के शॉर्ट टर्म विजिट प्रोग्राम के तहत उन्हें इजराइल जाने का मौका मिला।

23 पब्लिश्ड रिसर्च आर्टिकल

वीपीपी मेनन स्वर्ण पदक हरप्रिया मिन्हास पीएचडी (रसायन विज्ञान) को मिला। पीएचडी के दौरान हरप्रिया का मुख्य काम वेस्ट हीट को इलेक्ट्रिसिटी में कन्वर्ट करने की ग्रीन टेक्नोलॉजी पर था। आमतौर पर इंडस्ट्री से निकलने वाले बाय-प्रोडक्ट्स इन्वॉरमेंट के लिए नुकसानदायक होते हैं, लेकिन यह ग्रीन टेक्नोलॉजी है, जो आज के समय में तेजी से इवॉल्व हो रही है। नेशनल मिशन्स भी इसी पर फोकस कर रहे हैं, जिससे मुझे और काम करने की ताकत मिली। हरप्रिया के नाम अब तक कुल 23 पब्लिश्ड रिसर्च आर्टिकल हैं, जिनमें से 11 में वे फर्स्ट ऑथर हैं।

बेस्ट ऑल राउंडर, दो गोल्ड

संस्थान सर्वांगीण स्वर्ण पदक एवं अगम प्रसाद स्मृति स्वर्ण पदक अर्पित कुमार सिंह पीएचडी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) को मिला। अर्पित को दो गोल्ड मेडल मिले। बेस्ट ऑल राउंडर अवॉर्ड के लिए छात्र को एकेडमिक्स के साथ-साथ संस्थान के हर क्षेत्र में सक्रिय रहना होता है। वहीं आगम प्रसाद मेमोरियल गोल्ड मेडल उन्हें पीएचडी रिसर्च में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया है।

खास बात

2035 तक भारत का अपना स्पेस स्टेशन बनाने का लक्ष्य

आईआईटी इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन ने बताया भारत 2035 तक अपना खुद का स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है। देश में स्वदेशी अंतरिक्ष यात्री सूट विकसित करने का काम कुछ कंपनियां कर रही हैं। ''भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन'' को 2035 तक स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। हम इस दिशा में अग्रसर हैं और वर्तमान में कुछ कंपनियों के सहयोग से इसे विकसित कर रहे हैं।

डीपटेक स्टार्टअप्स को बूस्ट देने सरकार का बड़ा दांव

नीति आयोग के सदस्य एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर ने बताया सरकार ने डीपटेक स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के लिए इस जुलाई में 1 लाख करोड़ रुपए का रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन फंड बनाया है। इसके तहत 50 प्रतिशत पैसा सरकार देगी और 50 प्रतिशत निवेशक लगाएंगे, ताकि निवेशकों का रिस्क कम हो और डीपटेक सेक्टर में निवेश बढ़े। उन्होंने बताया देश में अभी 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड स्टार्टअप्स हैं। इनमें से करीब 120 स्टार्टअप यूनिकॉर्न हैं।

7 साल में 100 स्टार्टअप तैयार करने का रखा लक्ष्य

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने बताया आईआईटी इंदौर ने सिंहासा आईटी पार्क में अपना नया सैंटर लॉन्च किया है। यहां स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग के लिए मैन्युफैक्चरर्स और इनक्यूबेटर्स को ट्रेनिंग, स्पेस और प्रोडक्ट डेवलपमेंट में मदद दी जाएगी। संस्थान को इस सैंटर के लिए 10 हजार वर्गफीट जगह मिली है। सैंटर में स्टार्टअप कंपनियों के रहने की जगह, एक्सपीरियंस जोन, डिस्कशन रूम और कॉन्फ्रेंस रूम की सुविधा है। अगले 7 साल में यहां से 100 नए स्टार्टअप तैयार करने का टारगेट रखा गया है।